an>

Title: Need to conduct a high-level enquiry into alleged anti national activities in a University in Naini, Allahabad.

श्री केशव प्रसाद मौर्य (फूलपुर): माननीय अध्यक्ष जी, वर्तमान में देश में गरीबी, बीमारी और अशिक्षा से लड़ने का संघर्ष चल रहा है। लेकिन मेरे इलाहाबाद के अंदर जवाहर लाल नेहरू यूनिवर्सिटी की तरह एक घटना इलाहाबाद एग्रीकल्चर इंस्टीट्यूट के अंदर घट रही है जहां पर अफगानिस्तान के छात्र जो वीज़ा लेकर भारत में शिक्षा प्राप्त करने के लिए आए हुए हैं, उनकी हरकतें ऐसी हैं जिनके कारण से वहां छात्रों पर हमले की घटना हुई और उसके मुकदमे एक बार नहीं दो दो बार लिखे गये। दूसरी घटना यह घटी कि वहां के व्यापारियों पर उन्होंने एकजुट होकर हमला किया। उत्तर प्रदेश की सरकार चूंकि कानून व्यवस्था संभालने का काम नहीं कर पा रही है, इसके कारण इस प्रकार की घटना होती है और उस पर कुछ कार्रवाई नहीं होती जिसके कारण इस प्रकार की समस्या खड़ी हुई है।

जो एग्रीकल्चर इंस्टीट्यूट है, वहां तीन प्रकार की गतिविधियों का एक केन्द्र बन गया है, भ्रष्टाचार वहां पर व्याप्त है और वहां ईशू दरबार के नाम पर धर्मान्तरण हो रहा है तथा वहां पर राष्ट्र विरोधी गतिविधियां भी बड़े पैमाने पर चल रही हैं।

मैं आपके माध्यम से चूंकि प्रयाग ज्ञान की धरती है, गंगा, यमुना तथा सरस्वती के पावन संगम की धरती है, स्वतंत्रता संग्राम सैनानियों की धरती है।...(व्यवधान)

माननीय अध्यक्ष जी, यह मामला हमारे देश की सुरक्षा से जुड़ा हुआ है और एग्रीकल्चर इंस्टीट्यूट जो मानव यूनिवर्सिटी के रूप में यहां पर संचालित है, उसके माध्यम से जो गलत कार्य किये जा रहे हैं, मैं आपके माध्यम से भारत सरकार से मांग करता हूं कि इस एग्रीकल्चर इंस्टीट्यूट के अदंर जो देश विरोधी गतिविधियां चल रही हैं, शिक्षा की आड़ में जो धर्मान्तरण का कार्य चल रहा है, जो भ्रष्टाचार चल रहा है, यू.जी.सी. की रिपोर्ट पर 55 कोर्सेज को इलाहाबाद उच्च कोर्ट ने अवैध ठहरा दिया है, उसके नाम पर छात्रों से भी वसूली की जा रही है, वहां के 'सीएट्स' के अंदर हमारे बहुत सारे छात्रों पर हमले किये गये और वे घायल भी हुए लेकिन उन लोगों के खिलाफ कोई कार्रवाई नहीं की गई।

इसलिए मैं आपके माध्यम से सरकार से मांग करता हूं कि यहां जो अफगानिस्तान के छात्र हैं और जिनकी गतिविधियां देश-विरोधी हैं, उनके खिलाफ कार्रवाई की जाए।

माननीय अध्यक्ष : आपकी बात पूरी हो गयी है। अब आप बैठिए।

â€¦(व्यवधान)

माननीय अध्यक्ष : श्री शरद त्रिपाठी, श्री भैरों प्रसाद मिश्र, कुंवर पुष्पेन्द्र सिंह चन्देल, श्री रोड़मल नागर को श्री केशव प्रसाद मौर्य द्वारा उठाए गए विषय के साथ संबद्ध करने की अनुमति प्रदान की जाती है।